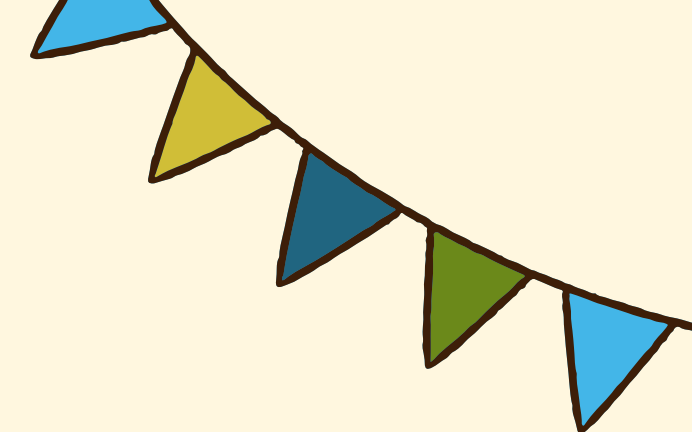


જિન ખોગા તિન પાડયા



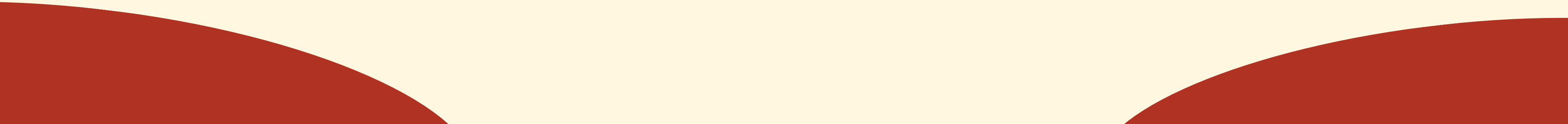
નિદેશક - ડૉ. બી.સી. જૈન



नियमावली:-



आपको प्रश्न का एक पक्ष एवं उसका उत्तर बताया जाएगा आपको उसका दूसरा पक्ष बताना होगा।



सिद्धों के मूलगुण

-
?
=

रत्नत्रय



इन्द्रिय

×

?

=

कषाय



जीव

×

?

=

श्रावक के मूलगुण



स्वर्ग

+

?

= तीर्थंकर



ज्ञान

×

?

= णमोकार मंत्र के
अक्षर



ધ્યાન

+

?

=

ધર્મ



दान

-

?

=



ऋषभदेव की पुत्रियाँ

लेश्या

×

?

=

आचार्य परमेष्ठी
के मूलगुण



पदार्थ

-

?

=

व्यसन



तीर्थंकर

—

?

=

तप



चक्रवर्ती

+

?

=



विदेह क्षेत्र के तीर्थंकर

पाप

-

?

=

आत्मा



उत्तरमाला:-



- | | |
|----------------|------------------------|
| 1. महाव्रत (5) | 7. गोत्र कर्म (2) |
| 2. पाप (5) | 8. सामान्य गुण (6) |
| 3. कषाय (4) | 9. नय (2) |
| 4. कर्म (8) | 10. भावना (12) |
| 5. नरक (7) | 11. पूजन के द्रव्य (8) |
| 6. आवश्यक (6) | 12. कषाय (4) |



नोट:-इन संख्या से संबंधित अन्य भेद भी ले सकते हैं।

जय जिनेन्द



www.jainpathshalajaipur.com

Youtube: Jain Pathshala Jaipur

E-mail: jainpathshalajaipur@gmail.com

Phone : 0141-3567401, 8619804009, 8955872717



विशेष सहयोग- समकित शास्त्री